भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2497
गुरुवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई अड्डों की डिजिटल उन्नति

2497. डॉ. अमर सिंहः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 'फेशियल ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी' और विकेन्द्रीकृत 'डिजिटल क्रेडेंशियल्स' जैसी डिजिटल उन्नति ने देश के हवाईअड्डा परिचालन में क्रांति ला दी है, जिससे यात्रियों को कुछ ही मिनटों में प्रवेश जांच से लेकर विमान में चढ़ने तक की सुविधा मिल गई है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख) **:** जी हां, हवाईअड्डों पर विभिन्न जांच बिन्दुओं पर यात्रियों को निर्बाध, परेशानी रहित और तेज प्रोसेसिंग के लिए हवाईअड्डों के संचालन में आमूल परिवर्तन हेतु डिजिटल प्रगति को डिजी यात्रा की शुरुआत करके लागू किया गया है, जो चेहरे की प्रमाणीकरण तकनीक का उपयोग करती है। डिजी यात्रा में उचित डेटा सुरक्षा प्रदान करने के लिए, डिजाइन/डिफ़ॉल्ट रूप से, यात्री की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) डेटा का कोई केंद्रीय भंडारण नहीं है। सभी यात्री डेटा एन्क्रिप्टेड है और यात्री के स्मार्टफोन वॉलेट में संग्रहीत है और केवल सीमित समय अवधि के लिए मूल हवाईअड्डे के साथ साझा किया जाता है जहां यात्री आईडी को मान्य करने की आवश्यकता होती है। उड़ान के प्रस्थान के 24 घंटे बाद डेटा को सिस्टम से हटा दिया जाता है। वर्तमान में, डिजी यात्रा 24 हवाईअड्डों पर उपलब्ध है।

******